INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date :26.10.25
Grammar - October	Topic: - प्रत्यय, मुहावरे,गुण संधि	Note: Pls. write in your Hindi note book

I.निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए-

क्रमांक	प्रत्यय	मूल शब्द	प्रत्यय से बने शब्द
1	अक	पाठ,धाव	पाठक,धावक
2	कार	कहानी, कथा	कहानीकार, कथाकार
3	पा	बूढा, मोटा	बुढापा, मोटापा
4	इमा	लाल, काला	लालिमा, कालिमा
5	इन	माली,धोबी	मालिन, धोबिन
6	इका	गायक, नायक	गायिका, नायिका
7	त्व	देव, गुरु	देवत्व ,गुरुत्व
8	आना	साल, रोज़	सालाना, रोज़ाना
9	नाक	खतरा, खौफ़	खतरनाक, खौफ़नाक
10	खोर	सूद,रिश्वत	सूदखोर,रिश्वतखोर

II.मुहावरे-

1-**एक आँख न भाना** (बिल्कुल अच्छा न लगना) राजेश का खाली बैठना उसके पिताजी को एक आँख नहीं भाता।

2.एड़ी चोटी का जोर लगाना - (किसी कार्य को करने के लिए कठिन परिश्रम करना) मोहन को अपनी कक्षा में प्रथम आना था, इसलिए उसने

एड़ी चोटी का जोर लगा दिया।

3-सिर धुनना (पछताना) – छात्र अपना खराब परीक्षाफल देखकर सिर धुनने लगा।

4-कान भरना (चुगली करना)– मोहल्ले की बूढ़ियाँ एक-दूसरे के विरुद्ध कान भरती रहती हैं।

5. बाएँ हाथ का खेल(बहुत आसान काम)-आजकल राजनीतिज्ञों के लिए क्षण-क्षण ज़बान बदलना बाएँ हाथ का खेल हो गया है ।

6 आग में घी डालना –(क्रोध को बढ़ाना)-पिता पहले से ही नाराज़ थे और तुम्हारी शिकायत ने तो आग में घी डाल दिया ।

7. कानोकान खबर न होना (बिलकुल खबर न होना) – बदनामी के डर से मेहता जी कब दिल्ली छोड़कर चले गए, किसी को कानों कान खबर नहीं हुई।

8. अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना (स्वयं अपने लिए मुसीबत पैदा करना)- राजू!उस गुंडे से दुश्मनी मोल लेकर तुम अपने पाँव पर कुल्हाड़ी क्यों मार रहे हो।

9.कलेजा ठण्डा होना (सुख-संतोष मिलना)- जब रवि की नौकरी लग गई तब उसकी माँ का कलेजा ठण्डा हुआ।

10.कोल्हू का बैल (अत्यधिक परिश्रमी व्यक्ति)- धीरू हमेशा काम में ही लगा रहता है, वह तो कोल्हू का बैल है।

IV.गुण संधि

नियम-1

ह्रस्व) अ (या दीर्घ) आ (के बाद किसी भी ढंग से इ या ई आए तो संधि करने पर 'ए 'हो जाएगा | जैसे -

अ+इ=ए -नर+इंद्र =नरेंद्र अ+ई=ए -नर+ईश =नरेश

आ+इ=ए- महा+इंद्र= महेंद्र आ+ई=ए- महा+ईश= महेश

नियम-2

ह्रस्व)अ (या दीर्घ) आ (के बाद किसी भी ढंग से उ या ऊ आए तो संधि करने पर' ओ 'हो जाएगा । जैसे –

अ+उ= ओ = ज्ञान + उपदेश =ज्ञानोपदेश

आ+उ=ओ = महा+उत्सव =महोत्सव

अ+ऊ=ओ = जल+ऊर्मि= जलोर्मि

आ+ऊ=ओ = महा+ऊर्मि= महोर्मि

नियम-3

ह्रस्व) अ(या दीर्घ) आ (के बाद ऋ आए तो संधि करने पर' अर् 'हो जाएगा|

जैसे –

अ+ऋ= अर्= देव+ऋषि = देवर्षि

आ+ऋ=अर्= महा+ऋषि = महर्षि

अभ्यास कार्य

संधि कीजिए-

1- सूर्य + उदय = सूर्योदय

2- महा + उत्सव = महोत्सव

3- लोक + उक्ति = लोकोक्ति

4- वीर +उचित = वीरोचित

5- पर + उपकार = परोपकार

6- राजा + ऋषि = राजर्षि

संधि-विच्छेद कीजिए–

1. देवर्षि = देव +ऋषि

2.ज्ञानोपदेश = ज्ञान +उपदेश

3. जलोर्मि = जल +ऊर्मि

4.सुरेंद्र = सुर+इंद्र

5.शुभेच्छा = शुभ+ इच्छा

6.चंद्रोदय = चंद्र +उदय

7.हितोपदेश = हित +उपदेश

==========